डूंगरपुर जिले के खडगदा गांव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। खडगदा में उन्होंने साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर मोरन नदी और जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे भागीरथ प्रयास का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने 20 साल से सूखी नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयास की प्रशंसा की

खडगदा ग्रामवासियों ने जनभागीदारी से नदी पाट में 40 करोड़ लीटर की संग्रहण क्षमता विकसित की

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने ग्रामवासियों के इस कार्य को ऐतिहासिक व अनुकरणीय बताया। उन्होंने ग्रामवासियों को सरकार की ओर से सहायता का आश्वासन दिया।**

डूंगरपुर, 4 जनवरी (निसं)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर डूंगरपुर जिले के खडगदा गांव गए, जहाँ उन्होंने खडगदा में जन सहयोग से जल संचय अभियान के तहत अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर मोरन नदी और जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे भागीरथ प्रयास का अवलोकन कर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान पर शुरू हुए जल क्रांति अभियान में स्वप्रेरणा से खडगदा ग्रामवासियों ने जनसहयोग से जल संचय अभियान में मोरन नदी को पुनर्जीवित करने, साफ-सफाई कर जल को उपयोगी बनाने के साथ ही, जल संचयन करने के ऐतिहासिक और अनुकरणीय कार्य में भागीदारी निभाकर सभी के लिए एक मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने इस कार्य के लिए समस्त ग्रामवासियों तथा प्रेरक कथावाचक कमेलश शास्त्री को बधाई देकर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा जल संचय के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से वृहद स्तर पर कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा राजस्थान के चालीस हजार गांवों में जल संचय का कार्य किया जा रहा है।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटील ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ने के सपने को साकार करते हुए, राजस्थान और मध्य प्रदेश की नदियों को जोड़ने की संशोधित पीकेसी ईआरसीपी लिंक परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजना के धरातल पर उतरने के बाद राज्य में पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। पाटील ने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर कैच द रेन अभियान में खडगदा गांव के इस प्रयास को विशेष स्थान दिया जाएगा।

इससे पूर्व, हेलीपैड पर पहुंचने पर, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जिले के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी, सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, पूर्व मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया सहित अनेक गणमान्य लोगों ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री तथा केन्द्रीय मंत्री पाटील ने ग्रामवासियों द्वारा मोरन नदी विकास को लेकर लगायी प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा जल संरक्षण के लिए जन सहयोग से बनाए गए कुएं का पूजन कर लोकार्पण किया तथा कथावाचक कमलेश शास्त्री का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी, सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, गढ़ी विधायक कैलाश मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी आदि मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खडगदा गांव में मोरन नदी घाट का अवलोकन कर जन भागीदारी से मोरन नदी के पुनरुद्धार कार्य का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर खडगदा गांव के लोगों ने जन भागीदारी से जल संचय अभियान चलाया, जिसके तहत उन्होंने 20 वर्षों से सूखी पड़ी मोरन नदी को पुनर्जीवित किया। सामूहिक श्रमदान से उन्होंने नदी के एक किलोमीटर पाट को साफ कर उसे 8 से 10 फीट गहरा किया। इस एक किलोमीटर के पाट में 40 करोड़ लीटर पानी संग्रहित करने की क्षमता है। गांव के युवाओं ने नदी के घाट पर कच्चा रिवरफ्रंट बनाया। नदी के चारों तरफ रिंग रोड का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, कैच द रेन की तर्ज पर कार्य करते हुए, नदी के घाट के पास 80 फीट गहरा नया कुआं खुदवाया गया। इसके साथ ही, ग्रामवासियों ने गांव के अन्य पुराने कुओं को तथा अपने घरों में बनाए बोरवेल को भी रिचार्ज किया।

उत्कर्ष पर आयकर छापे की कार्यवाही तीसरे दिन भी जारी रही

उत्कर्ष कोचिंग के संचालक निर्मल गहलोत के घर पर साढ़े चार किलो सोने के जेवर मिले

- **आयकर विभाग की टीमें बड़े ट्रांज़ैक्शन की जाँच के लिये दस्तावेज तथा कम्प्यूटर की फाइलें खंगाल रहे हैं, विशेषकर फिज़िक्स वाला की डील के संदर्भ में।**

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले उत्कर्ष कोचिंग सैंटर के विभिन्न ठिकानों पर शनिवार को तीसरे दिन भी आयकर विभाग की छानबीन जारी रही। यह कार्रवाई गुरुवार सुबह से शुरू हुई थी। शनिवार को सर्च के दौरान डील से जुड़े डॉक्युमेंट और एनजीओ को करोड़ों रुपए की फंडिंग से जुड़ी जानकारी मिली है। आयकर विभाग की टीम को उत्कर्ष कोचिंग संचालक के मालिक निर्मल गहलोत के घर पर तलाशी के दौरान, करीब साढ़े चार किलो सोने के जेवर और 15 लाख रुपए कैश मिले हैं।

उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के जोधपुर व जयपुर सहित विभिन्न ठिकानों पर आयकर विभाग की लगातार तीसरे दिन भी जारी कार्रवाई में विभाग की नजर जोधपुर पर ही टिकी हुई है। तीन दिनों में अधिकारियों ने बड़े ट्रांज़ैक्शन की जानकारी के लिए दस्तावेज और कम्प्यूटर की फाइलें खंगाली हैं। कोचिंग संस्थान के कार्मिकों से भी पूछताछ की गई है। उत्कर्ष संस्थान के विभिन्न कार्यालयों, निवास स्थान और उससे जुड़े वैंडर्स पर भी कार्रवाई जारी है।

गौरतलब है कि आयकर विभाग ने गुरुवार को कोचिंग संस्थान के जोधपुर, जयपुर, प्रयागराज और इंदौर स्थित 17 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था। जोधपुर में दो दर्जन से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। जयपुर, प्रयागराज और इंदौर में टीमें जोधपुर की टीमों के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई कर रही हैं।

उत्कर्ष कोचिंग संस्थान की हाल ही में एक एड टैक कंपनी फिज़िक्स वाला के साथ हुई डील ही आयकर विभाग के प्रमुख निशाने पर है। अभी तक की जांच इस डील के इर्द-गिर्द ही चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, फिज़िक्स वाला और उत्कर्ष कोचिंग संस्थान की कुछ महीनों पहले हुई 800 करोड़ की डील के बाद यह मामला रडार पर आया था।

आयकर विभाग को ऐसी शिकायतें मिलीं कि फिज़िक्स वाला के साथ शेयर डील में कोचिंग संचालक ने बड़ा घपला किया है। आठ सौ करोड़ रूपये से अधिक की इस डील में बड़े पैमाने पर अघोषित लेन-देन शामिल है।

प्र.मंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समूह का मुखिया बनाने को इच्छुक हैं। पवार का अडानी से पुराना नाता रहा है और उन्हें राहुल गांधी का लगातार अडानी विरोधी अभियान चलाना पसंद नहीं है।

राहुल को साइडलाइन कर ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का मुखिया बनाना मोदी के लिए भी फायदेमंद है। गत लोकसभा सत्र में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के सांसदों से कहा था कि अडानी के खिलाफ अभियान में हर बार शिरकत न करें।

तमिलनाडु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का एक बड़ा भंडार था। सूचना मिलने के बाद सत्तूर से तमिलनाडु अग्निशमन और बचाव सेवा विभाग के कर्मी फैक्ट्री पहुंचे और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रसायनों को रखते समय घर्षण के कारण आग लगी। विस्फोट होने के वास्तविक कारण की हालांकि जांच की जा रही है।

जिला कलेक्टर वी.पी. जयसीलन घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि यह पता लगाने के लिए विस्तृत जांच चल रही है कि क्या फैक्ट्री में सुरक्षा मानदंडों का कोई उल्लंघन तो नहीं किया गया था।

पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक बालाजी और शशिबालन के अलावा मैनेजर डॉस और प्रकाश सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मीनाक्षी सुंदरम, शिवकुमार, कामराज, वेलमुरुगन, कन्नन और नागराज के रूप में हुई है। यह पता लगाने के लिए बचाव अभियान अभी भी जारी है कि मलबे के नीचे कोई और श्रमिक दबा तो नहीं है। मलबे में फंसे शवों को दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

डल्लेवाल स्ट्रेचर पर खनौरी बॉर्डर किसान पंचायत में पहुँचे

किसान नेताओं ने दावा किया 80-90 हजार लोग महापंचायत में शामिल हुए

- **चालीस दिन से आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल ने किसानों से कहा ''सरकार जितना मर्ज़ी जोर लगा ले, हम ये लड़ाई जीत कर जायेंगे।**

पटियाला, 04 जनवरी। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आज किसानों की महापंचायत हुई। जहां 40 दिन से आमरण अनशन पर बैठे जगजीत डल्लेवाल को स्ट्रेचर से मंच पर लाया गया। उन्होंने 9 मिनट तक किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार जितना मर्जी जोर लगा ले, हम ये लड़ाई जीतकर जाएंगे।

किसान नेताओं का दावा है कि इस महापंचायत में 80 से 90 हजार लोग पहुंचे थे। इस दौरान पंजाब की तरफ महापंचायत के मंच से करीब 7 किलोमीटर तक रोड पर जाम लगा रहा। खनौरी बॉर्डर के हरियाणा साइड पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा रही। यहां पुलिस और अर्धसैनिक बलों की 21 कंपनियां तैनात थीं। इससे हरियाणा की तरफ से कोई किसान महापंचायत में शामिल नहीं हो सका।

वहीं इसी बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के पास पंजाब सरकार की चिट्ठी पहुंची है। जिसमें उन्हें आंदोलन में हस्तक्षेप कर इसे खत्म कराने की मांग की गई है। हालांकि चौहान पहले ही कह चुके हैं कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, वहां से जो फैसला आएगा, उस पर अमल करेंगे।

किसान नेता डल्लेवाल ने राम-राम कहकर संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा- जो मैं लड़ाई लड़ रहा हूं, यह लड़ाई मैं नहीं लड़ रहा, यह सिर्फ एक शरीर दिख रहा है लड़ाई लड़ते। यह ऊपर वाले की मर्जी है। जिसे भगवान चाहता है, उसे ही मनुष्य का शरीर देता है। उसी की मर्जी से हो रहा है, जो हो रहा है।

मोर्चा तो हम ही जीतेंगे पुलिस ने मुझे यहां से उठाने का प्रयास किया। जब लोगों को पता चला तो पंजाब-हरियाणा से सैकड़ों नौजवान हमारे पास पहुंचे और मोर्चा संभाला। आज जो लोग मोर्चे पर पहुंचे हैं, यह सिर्फ ऊपर वाले की कृपा है। सरकार जितना मर्जी जोर लगा ले, हम मोर्चा जीत कर ही रहेंगे।

उन्होंने कहा, किसानों की सुसाइड की घटनाओं पर अंकुश लगना जरूरी है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि करीब 4 लाख किसानों ने आत्महत्या की है, लेकिन असल आंकड़ों में अब तक 7 लाख से ज्यादा किसान दम तोड़ चुके हैं। मेरी किसानों से अपील है कि बड़ी संख्या में आगे आएं, जिससे आंदोलन को बल मिल सके।

इधर, पंजाब सरकार की ओर से केंद्र को एक लेटर लिखा गया। इसमें केंद्र सरकार से अपील की गई है कि किसानों का आंदोलन और डल्लेवाल का अनशन खत्म कराएं।

19 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को आदेश दिए थे कि डल्लेवाल को चिकित्सा सुविधा दी जाए। जरूरत पड़े तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराएं।

भभूति के चक्कर में बागेश्वर धाम शास्त्री के कार्यक्रम में भगदड़

- **भारी भीड़ बेकाबू होने पर बाउंसरों ने लोगों को हटाया**
- **अभी तक किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस को भी हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।**

मुंबई, 04 जनवरी। बागेश्वर धाम महाराज धीरेन्द्र शास्त्री आज भिवंडी के मानकोली नाके के पास स्थित इंडियन ऑयल कंपनी में एक सत्संग के लिए आए हुए थे। कथा सुनाने के बाद धीरेन्द्र शास्त्री ने अपने श्रद्धालुओं को कहा कि आप सभी लोगों को मैं भभूति दूंगा।

आप तमाम लोग एक-एक करके आएं, पहले महिलाएं आएंगी और उसके बाद पुरुष आएंगे। इसके बाद सभी महिलाओं ने पहले लाइन लगायी और उसके पीछे पुरुषों ने लाइन लगाई। बाबा से भभूति लेने के लिए देखते ही देखते भीड़ एक साथ इतनी उमड़ पड़ी कि कंट्रोल के बाहर हो गई। सभी लोग पहले भभूति पाने के लिए आगे बढ़ ने लगे।

भभूति लेने के लिए भीड़ इतनी ज्यादा हो गई कि लोग एक के ऊपर एक चढ़ ने लगे और भगदड़ जैसी स्थिति हो गई।

आसपास खड़े बाउंसरों ने लोगों को खींचकर भीड़ से बाहर निकाला और स्टेज पर बैठा दिया। भगदड़ की वजह से चीख पुकार मच गई और लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। जिन महिलाओं को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी और उन को एक साइड में बैठा दिया गया।

जब धीरेन्द्र शास्त्री ने देखा कि भीड़ हद से ज्यादा बढ़ गई है तो वह अपने स्टेज से उठकर चले गए और इसके बाद भीड़ में शामिल लोग एक के पीछे एक स्टेज पर चढ़ ने लगे जिससे वहां पर मौजूद पुलिस ने लोगों को हटाने का प्रयास किया। फिलहाल इस घटना में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस ने हल्का बल का उपयोग करके लोगों को वहां से हटाने का प्रयास किया।

प्रसिद्ध वैज्ञानिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में भी उनका अहम योगदान रहा। 1998 के पोखरण टेस्ट में उन्होंने वैज्ञानिकों की टीम को लीड किया था। डॉ. राजगोपाला को 1975 में पद्म श्री और 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. राजगोपाला के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''भारत की वैज्ञानिक और कूटनीतिक ताकत को मजबूत करने में डॉ. राजगोपाला की अहम भूमिका रही। वे भारत के परमाणु प्रोग्राम के निर्माताओं में से एक थे। आने वाली पीढ़ि यां उनके किए कामों से प्रेरणा लेगी।''

डॉ. राजगोपाला का जन्म सन् 1936 में चेन्नई में हुआ। उन्होंने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बेंगलुरु के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस से पढ़ ाई की। 1974 के न्यूक्लियर टेस्टिंग टीम में डॉ. राजगोपाला ने अहम भूमिका निभाई। 1998 में हुए पोखरण परमाणु टेस्ट-2 में उन्होंने टीम को लीड किया।

वर्ष 1990 में उन्होंने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर की जिम्मेदारी भी संभाली। डॉ. राजगोपाला 1993 में परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष भी बने। इस पद पर वे 2000 तक रहे। वे भारत के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार भी रहे।

नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया, अब हमेशा भाजपा के साथ रहेंगे

लालू यादव के नीतीश को आमंत्रण से फैली सियासी अटकलें लगभग समाप्त हो गईं

- **पटना में एक समीक्षा बैठक में नीतीश कुमार ने कहा, हम गलती से दो बार इधर-उधर हो गये थे। अब हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे।**

पटना, 04 जनवरी। बिहार की सियासत में एक बार फिर सत्ता परिवर्तन को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। इस बार भी सबकी नज़रें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर थीं।

राजनीतिक हलकों में यह चर्चा थी कि मलमास खत्म होते ही बिहार की राजनीति में कोई बड़ा मोड़ आ सकता है। हालांकि, इन कयासों के बीच खुद नीतीश कुमार अब फ्रंट लाइन पर आए और उन्होंने स्पष्ट रूप से सबकुछ साफ कर दिया।

पटना में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता ने हमें 24 नवंबर 2005 से काम करने का मौका दिया। हम लगातार बिहार के विकास को लेकर सभी क्षेत्रों और वर्गों के लिए काम करते रहे हैं। 2005 से पहले बिहार की स्थिति बहुत खराब थी।

लोग शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डरते थे। अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था नहीं थी, सड़कें जर्जर थीं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं थी। अक्सर हिंदू-मुस्लिम के बीच विवाद की खबरें आती थीं। जब बिहार ने हमें काम करने का मौका दिया, तो बिहार की स्थिति बदल गई। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ।

नीतीश कुमार ने कहा कि हम गलती से दो बार इधर-उधर हो गए। अब हम हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे।

बीते दिनों में राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू यादव के एक बयान ने बिहार के सियासी माहौल में हलचल मचा दी थी। लालू यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं और उन्हें भी अपने दरवाजे खुला रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर नीतीश कुमार आते हैं, तो उनका साथ लिया जाएगा, हम उनका साथ लेंगे। इस बयान के बाद से बिहार की राजनीति में उत्सुकता और अटकलें तेज हो गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में बड़ी भूमिका निभाएगा। मुझे विश्वास है कि यह अवसर लोगों को देश में समाज की बेहतरी के लिए हर संभव कार्य करने की प्रेरणा देगा। वार्षिक उर्स के अवसर पर दरगाह शरीफ के लिए चादर भेजते हुए, मैं ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को नमन करता हूं और देशवासियों की प्रसन्नता व समृद्धि की कामना करता हूं।''

केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने महफिलखाने में दरगाह के वैब पोर्टल तथा गरीब नवाज एप को लांच किया। इससे जायरीनों को सुविधा मिलेगी तथा दरगाह कमेटी द्वारा की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकर, जायरीन उनका उपयोग ले सकेंगे। इसके साथ ही, ऑपरेशन्स मैन्युअल फॉर कन्डक्ट ऑफ उर्स ऑफ ख्वाजा मोइन-उद-दिन चिश्ती भी लाँच किया गया। इसके आरंभ होने से जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, राजकीय विभागों तथा अन्य स्तर पर उर्स के दौरान किए जा रहे कार्यों में आपसी समन्वय स्थापित होगा। कार्यों की आसानी से मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

रिजिजू ने कहा कि दरगाह में आंतरिक इंतजाम करने वाली दरगाह कमेटी मेरे मंत्रालय के अधीन आती है, इसलिए हमारा प्रयास है कि दरगाह में जियारत के लिए आने वाले ज़ायरीनों को अधिक से अधिक सुविधा मिले। उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इसलिए ऐप और वैब पोर्टल लॉन्च किया गया। इस पर दरगाह पर मिलने वाली सुविधाओं से लेकर अन्य सभी तरह की जानकारियां मिलेंगी।

इस अवसर पर, दरगाह नाज़िम मोहम्मद नदीम, सहायक नाज़िम डॉ. मोहम्मद आदिल एवं शादाब अहमद, दरगाह दीवान के प्रतिनिधि नसरुद्दीन, अंजुमन के अध्यक्ष गुलाम किबरिया सहित दरगाह से जुड़े व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू के दरगाह पहुंचने पर खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सरवर चिश्ती और शेखजादगान के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर दरगाह कमेटी के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सूफी संवाद अभियान के राष्ट्रीय सह प्रभारी और दरगाह के खादिम सैयद अफशान चिश्ती ने भी मंत्री रिजिजू का स्वागत किया।

दरगाह पहुंचने पर दरगाह दीवान के प्रतिनिधि सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने भी रिजिजू का इस्तकबाल किया। बाद में दरगाह के प्रतिनिधियों ने रिजिजू की दस्तारबंदी की। जियारत की रस्म खादिम सैयद अफशान चिश्ती ने कराई। दरगाह में पीएम मोदी की ओर से चादर लेकर अजमेर पहुंचे केन्द्रीय संसदीय मामलात एवं अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजिजू के साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष जमाल सिद्की, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, उप महापौर नीरज जैन भी थे।

कांग्रेस हर जिले में गांधी-अम्बेडकर अपमान पर चौपाल लगायेगी

नयी दिल्ली, 04 जनवरी। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान विरोधी है और वह बाबा साहब अंबेडकर और महात्मा गांधी का अपमान करती है, इसलिए कांग्रेस देश के हर जिले में चौपाल लगाकर देशवासियों को बताएगी कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कैसे गांधी जी और अंबेडकर का अपमान करता है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 17 दिसंबर को संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने भीम राव बाबा साहेब अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हमें उम्मीद थी कि गृह मंत्री माफी मांगेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे, लेकिन मोदी ने गृह मंत्री का साथ दिया और अंबेडकर के अपमान में साझेदार बने।

कर्नाटक सरकार ने बसों का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। राज्य के पूर्व परिवहन मंत्री आर. अशोक, जो विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने कहा कि वे किराया वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री की तरफ से माफी मांगते हुए यात्रियों को गुलाब का फूल दे रहे हैं। कांग्रेस के राज्य परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि किराया वृद्धि का फैसला जरूरी था, क्योंकि ईंधन, स्टाफ व अन्य मदों पर खर्च बढ़ता जा रहा है। खासकर जून 2023 से शक्ति स्कीम लाने के बाद से। मंत्री की इस स्वीकारोक्ति ने शक्ति योजना पर भाजपा की आलोचना को और बल दिया है।

शक्ति स्कीम कांग्रेस की 5 पोल गारंटियों में से एक है, जो कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दी थीं। राज्य के चार परिवहन निगम हैं। कर्नाटक स्टेट ट्राँसपोट कॉरपोरेशन (के.एस.आर.टी.सी.), बैंगलूरु मैट्रो पॉलिटन टाँसपोर्ट कॉरपोरेशन (बी.एम.टी.सी.), कल्याण रोड ट्राँसपोर्ट कॉरपोरेशन (के.के.आर.टी.सी.) और नॉर्थ वैस्टर्न कर्नाटक रोड ट्राँसपोर्ट कॉरपोरेशन (एन.डब्ल्यू.के.आर.टी.सी.)।

राज्य सरकार की यह प्रमुख योजना 11 जून, 2023 को लॉन्च हुई थी। 2 जनवरी, 2025 तक, अनुमानित रूप से 363 करोड़ महिलाएँ इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं। इसके अलावा, शक्ति स्कीम के बाद सभी रोड ट्राँसपोर्ट कॉरपोरेशन (आर.टी.सी.) में कुल मिलाकर दैनिक यात्रियों की संख्या 25 प्रतिशत बढ़ गई है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के लिए वाहनों की व्यवस्था करने के लिये, ट्राँसपोर्ट विभाग ने 2023-24 एवं 2024-25 में 4,304 बसें खरीदी हैं।

ट्राँसपोर्ट मंत्री रेड्डी ने कहा कि सरकार जून 2023 से लेकर नवम्बर 2024 के बीच शक्ति स्कीम के लिए 6,543 करोड़ रूपए की प्रतिपूर्ति कर चुकी है। तीनों आर.टी.सी. में कुल मिलाकर 1,694 करोड़ रूपए का घाटा है। इसके अलावा, इन तीनों निगमों ने प्रोविडेन्ट फंड की बकाया राशि क्लियर करने के लिए सरकार से 2,792 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता माँगी है। इस राशि में विलम्बित भुगतानों पर लगा ब्याज भी शामिल है।

बढ़ती हुई ईंधन की कीमतें, बढ़ता हुआ स्टाफ, बढ़ती हुई बस संचालन लागत तथा बस सेवाओं की माँग में वृद्धि के कारण किराया बढ़ाना जरूरी हो गया है। रेड्डी ने कहा कि कुछ परिवहन निगमों में पिछले पाँच साल से टिकट-किराया संशोधित नहीं हुआ है। बी.एम.टी.सी. में तो 2014 के बाद किराया बढ़ाया ही नहीं गया है। दूसरी तरफ, भाजपा नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार के कुशासन के कारण ये वित्तीय दायित्व उसके ऊपर आये हैं तथा उन घाटों की पूर्ति के लिये सरकार आवश्यक चीजों तथा सेवाओं की कीमतों में वृद्धि कर रही है।

भाजपा नेता ने कहा, ''वर्तमान (बिजली) चार्ज, मकानों पर गाइडेंस वैल्यू, जल-शुल्क, दूध तथा अन्य अत्यावश्यक चीजों की कीमतें बढ़ गई हैं। नये साल के उपहार-स्वरूप, अब बस किराया भी बढ़ गया है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने बी.एम.टी.सी. और के.एस.आर.टी.सी. को लाभ में छोड़ा था, लेकिन आज की स्थिति भिन्न है।

कांग्रेस अब...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा है, जिसमें पार्टी के अंदर के वर्ग भी शामिल हैं, मुसलमानों को लक्ष्य करने वाले अत्याचारों के विरुद्ध पार्टी पर्याप्त रुप से मुखर नहीं रही है। पार्टी के अंदर के कुछ प्रमुख वर्ग महसूस करते हैं कि ऐसे मामलों में कांग्रेस के लिए सावधानी बरतने का कोई कारण नहीं है, जबकि, आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत भी स्पष्ट और साहसी रुख अपना रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस का हस्तक्षेप या तो पार्टी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल या संचार प्रभारी जयराम रमेश के नाम से जा सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908